पाठ–१३ : सूक्ति–संग्रह

❖ शब्दार्थ

बिगरी – बिगडी	मेलि – मिलाकर	जानही – जानता है
फाटे – फटे हुए, नष्ट	चहे – चाह या इच्छा करे	सो – वह
मथे – मथने पर	पावे – पाएगा	तेहि – उसे, उसका
संगति – साथ	कोय – कोई	अंबहि – आम
सुमति – अच्छी बुद्धि	बिरवा – पौधा	हेत – लिए, हेतु
कुमति – दुष्ट बुद्धि	आक – मदार	दीया – दीपक
धंध – बखेडा, झंझट	जाको – जिसका	जगत – संसार
राखौ – रखने से	गुन – गुण	साइयाँ – स्वामी, प्रभु

❖ सही उत्तर पर सही का निशान लगाइए ।

क) बिगडी बात किस प्रकार नहीं बनती है ?

( ) दूध की तरह ( ) दहीं की तरह

( ) मक्खन की तरह (✓) फटे दूध की तरह

ख) हींग कब अपनी सुगंध खो देता है ?

( ) डिब्बे में रखने से ( ) मिट्टी में रखने से

(✓) कपूर में रखने से ( ) कपडे में रखने से

ग) बुराई करने से क्या नहीं मिलेगा ?

( ) फल (✓) सुख ( ) दुख ( ) बुराई

घ) दादू ने सबको किसका साथी बताया है ?

( ) स्वास्थ्य का (✓) सुख का ( ) कल्याण का ( ) संपत्ति का

च) सुख का साथी किसे कहा गया है ?

( ) सतगुरु को (✓) पूरे संसार को ( ) कवि को ( ) साइयाँ को

❖ दोहों का अर्थ

क) बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय ।
रहिमन फाटे दूध ते, मथे न माखन होय ।।

उ) रहीम कवि कह रहे है कि यदि कभी कोई बात बिगड जाती है तो उसे सँभालना संभव नहीं हो पाता । उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा है कि दूध के फट जाने पर उससे मक्खन निकालना संभव नहीं होता । इसलिए कोई कार्य करने या कुछ कहने से पहले भली प्रकार विचार कर लेना चाहिए कि कहीं इससे हमारे संबंध खराब तो नहीं हो जाएँगे ।

ख) जो जाको गुन जानही, सो तेहि आदर देत ।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौही हेत ।।

उ) व्यक्ति वस्तु के गुणों को जानता है और उसे ही ग्रहण करता है । उदाहरण के रुप में कोयल मीठे आम ग्रहण करती है । कौआ आम के गुण नहीं जानता । उसका परिचय नीम से है, अतः वह उसे ही ग्रहण करता है ।

ग) सुख का साथी जगत सब, दुख का नाही कोय ।
दुख का साथी साइयाँ, दादू सतगुरु होय ।।

उ) कवि दादूदयाल कहते है कि सारा जगत तो सुख का साथी है दुख में कोई संबंध काम नहीं आता । दुख में तो केवल परमात्मा और सतगुरु ही साथ देते है ।

शब्द-संपदा

❖ **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।**

दुख - कष्ट, पीडा　　आम - रसाल, आम्र　　दीया - दीपक, चिराग
घर - गृह, सदन　　साथी - मित्र, दोस्त　　कोकिल - कोयल, पिक
सुगंध - खुश्बु, सुरभि　　आदर - सम्मान, इज्जत

❖ **निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रुप लिखिए ।**

कपूर - कर्पूर　　दीया - दीपक　　कोयल - कोकिल
दूध - दुग्ध　　आम - आम्र　　कौआ - काक

❖ **निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए ।**

लाख - एक संख्या, एक पदार्थ　　कर - हाथ, करना क्रिया
दीया - दीपक, देना क्रिया　　धरा - पृथ्वी, रखना क्रिया

पाठ-ज्ञान

❖ **मौखिक प्रश्न**

१) बिगडी बात की तुलना किससे की गई है ?

उ) बिगडी बात की तुलना फटे दूध से की गई है ।

२) हींग और कपूर का उदाहरण देकर कवि रहीम क्या कहना चाहते है ?

उ) हींग और कपूर का उदाहरण देकर कवि कहना चाहते है कि खराब संगति से सुमति नहीं आती है ।

३) कवि वृंद के अनुसार सुख की प्राप्ति किस स्थिति में नहीं हो सकती ?

उ) कवि वृंद के अनुसार सुख की प्राप्ति दूसरों की बुराई करके नहीं हो सकती ।

४) 'दीया' और 'दिया' का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

उ) 'दीया' और 'दिया' का उदाहरण इसलिए दिया गया है क्योंकि व्यक्ति दीया जलाकर रोशनी करता है और दिया हाथों से दानकर सुख सामग्री पाता है ।

❖ **प्रश्नों के उत्तर**

१) फटे दूध का उदाहरण देकर कवि क्या कहना चाहते है ?

उ) रहीम कवि फटे दूध का उदाहरण देकर बताना चाहते है कि जिस प्रकार एक बार फट जाने पर दूध बेकार हो जाता है, उसी प्रकार यदि कोई बात बिगड जाती है, तो फिर उसे सुधारा नहीं जा सकता । इसलिए बात अर्थात् संबंधो को बिगडने नहीं देना चाहिए ।

२) सुसंगति और कुसंगति का अंतर कवि कैसे स्पष्ट करते है ?

उ) सुसंगति और कुसंगति का अंतर स्पष्ट करने के लिए कवि ने हींग और कपूर का उदाहरण दिया है । सुगंधित और पवित्र कपूर के साथ रखे जाने पर भी हींग की दुर्गंध कम नहीं होती । दुर्जन व्यक्ति अच्छे लोगों के साथ रहकर भी अच्छे विचार ग्रहण नहीं कर पाता ।

३) कोयल और कौए के द्वारा कवि वृंद क्या सिद्ध करते है ?

उ) कोयल मीठा आम ग्रहण करती है और कौआ निबौरी खाता है । इस उदाहरण से कवि वृंद ने बताया है व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुरूप ही अच्छी-बुरी वस्तु को ग्रहण करता है।

४) कविवर दादू ने दीया शब्द का प्रयोग किन दो अर्थो में किया है ?

उ) कवि दादूदयाल ने दिए का प्रयोग दो अर्थों में किया है - देना तथा दीपक ।

५) घर में रखी हुई चीजें कब नहीं मिल सकती है ?

उ) घर में प्रकाश न होने पर घर में रखी हुई वस्तुएँ मिलना कठिन हो जाता है ।

❖ रिक्त स्थान की पूर्ति

क) बुराई करने पर <u>सुख</u> नहीं मिलती ।

ख) सुख का साथी पूरे <u>संसार</u> को कहा गया है ।

ग) <u>बिगडी</u> बात की तुलना फटे दूध से की गई है ।

घ) हींग <u>कपूर</u> में रखने से अपनी सुगंध खो देता है ।

च) दुख का साथी <u>साइयाँ</u> दादू सतगुरु होय ।

❖ सही या गलत

क) हींग कपडे में रखने से अपनी सुगंध खो देता है । ×

ख) बिगडी बात फटे दूध के समान होते है । ✓

ग) सुख का साथी सतगुरु को कहा गया है । ×

घ) बुराई करने से सुख नहीं मिलेगा । ✓